कृषि

कक्षा–10

कोविड–19 महामारी के कारण शैक्षिक सत्र–2021–22 में विद्यालयों में समय से पठन–पाठन का कार्य न हो पाने की स्थिति में सम्यक विचारोपरान्त विषय विशेषज्ञों की समिति द्वारा निम्नवत् 30 प्रतिशत पाठ्यक्रम कम किये जाने की अनुशंसा की गयी हैः–

1–मृदा विज्ञान

उसके स्रोत, मिट्टी का कटाव,

2–सिंचाई व जल निकास

(क) जल के स्रोत--कुँआ, बाँध, नदियाँ आदि।

(ख) सिंचाई की विधियाँ--अप्लावन, क्यारी, बेसिन आदि।

3–खाद तथा उर्वरक

(क) उनका वर्गीकरण, महत्व, पोटैशियम क्लोराइड।

(ग) उर्वरक मिश्रण--विभिन्न, उर्वरक मिश्रण बनाने के लिए परिकलन या जानकारी।

4–भू-परिष्करण

(क) विभिन्न फसलों के लिए भू-परिष्करण का महत्व।

5–आपदायें- दैवी आपदायें जैसे भूकम्प, आग, आदि का मूलभूत ज्ञान। पर्यावरण पर बचाव के उपाय।

6–निम्न फार्म की फसलों की खेती--मूँगफली तथा गन्ना।

7–सब्जियों की खेती-- खरबूजा

8–बागवानी-- नींबू की खेती।

9–पशुपालन--

डेरी उद्योग तथा पशु चिकित्सा विज्ञान

(ग) स्वच्छ एवं सुरक्षित दूध।

(ङ) सामान्य पशु रोग--बुखार, रिन्डरपेस्ट, पेचिस के लक्षण तथा उपचार की विधियाँ।

10–फल परीक्षण-- डिब्बों का जीवाणु नाशन तथा डिब्बा बन्दी, फल तथा सब्जियों का निर्जलीकरण।

उपर्युक्त के अनुक्रम में 70 प्रतिशत का पाठ्यक्रम निम्नवत् है–

कृषि

कक्षा–10

इसमें 70 अंकों की लिखित परीक्षा तथा 30 अंकों का विद्यालय स्तर पर प्रोजेक्ट कार्य होगा। पूर्णांक 100

1–मृदा विज्ञान **7**

मृदा जैव पदार्थ, वितरण, संरक्षण और मिट्टी का प्रभाव, ऊसर, क्षारीय तथा अम्लीय मिट्टी और सुधार, भू-क्षरण, भू-संरक्षण के सामान्य उपाय।

2–सिंचाई व जल निकास **5**

(क) जल के स्रोत-- नलकूप, नहरें, तालाब, आदि।

(ख) सिंचाई की विधियाँ-- नाली, छिड़काव, बार्डर, ट्रिप सिंचाई आदि।

3–खाद तथा उर्वरक **8**

(क) अजैव खादें (उर्वरक), अमोनियम सल्फेट, यूरिया, कैल्शियम, अमोनियम नाइट्रेट, सुपर फास्फेट, डाई अमोनियम फास्फेट (डी0ए0पी0)

(ख) उर्वरकों के प्रयोग की विधियाँ

(ग) उर्वरक मिश्रण-- फसलों के लिये उर्वरकों की आवश्यकता।

4-भू-परिष्करण **5**

(क) विभिन्न फसलों के लिए भू-परिष्करण की आवश्यकतायें।

(ख) फसल की सुरक्षा तथा बागवानी के प्रमुख यंत्र--डस्टर, स्प्रेयर, सिक्रेटियर, हैजसियर, बडिंग तथा ग्राफ्टिंग नाइफ, थ्रेसर तथा ओसाई के यन्त्र

5-आपदायें--दैवी आपदायें जैसे बाढ़, सूखा, अतिवृष्टि, उपलवृष्टि आदि का सामान्य ज्ञान। इनका फसल पर प्रभाव।

6-निम्न फार्म की फसलों की खेती-- **10**

धान तथा गेहूँ ।

7-सब्जियों की खेती-- **10**

आलू, फूलगोभी, टमाटर, लौकी, भिण्डी, प्याज।

8-बागवानी-- **10**

बाग के लिए भूमि का चुनाव, गृह उद्यान तथा फलोद्यान, प्रदेश की प्रमुख फसलों, जैसे आम, अमरूद तथा पपीता की खेती।

9-पशुपालन-- **8**

डेरी उद्योग तथा पशु चिकित्सा विज्ञान

(क) पशुओं की सामान्य देख-रेख तथा प्रबन्ध।

(ख) पशु आहार।

(ग) स्वच्छदोहन विधि।

(घ) दुग्धोत्पादन सम्बन्धी सामान्य जानकारी।

(ङ) सामान्य पशु रोग-- मुँहपका-खुरपका, गलाघोटू के लक्षण तथा उपचार की विधियाँ।

10-फल परीक्षण--फल तथा सब्जियों के परीक्षण की विधियाँ, फल व पदार्थों के नष्ट होने के कारण।

<u>प्रयोगात्मक</u> **15 अंक**

1-बीज शैय्या तैयार करना। **5**

2-उर्वरक, खरपतवार एवं बीजों की पहचान। **5**

3-मौखिक **3**

4-वार्षिक अभिलेख **2**

प्रोजेक्ट कार्य **15 अंक**

नोट :--निम्नलिखित में से कोई तीन प्रोजेक्ट छात्रों से तैयार कराए। अध्यापक विषय से सम्बन्धित अन्य प्रोजेक्ट भी दे सकते हैं।

1-बाग लगाने की उपयुक्त विधि का अध्ययन करना।

2-उर्वरकों के प्रयोग करने की उपयुक्त विधि का अध्ययन करना।

3-स्प्रेअर का प्रयोग करने की विधि तथा सावधानियों का अध्ययन करना।

4-जैम बनाने की विधि का अध्ययन करना।

5-जेली बनाने की विधि का अध्ययन करना।

6-दुग्ध-दोहन की उपयुक्त विधि का अध्ययन करना।

7-ड्रिप सिंचाई का अध्ययन करना।

8-सिंचाई के लिये नहरों की उपयोगिता का अध्ययन करना।

9-उत्तर प्रदेश की मृदाओं में फासफोरस एवं पोटाश पोषक तत्व का प्रयोग करना।

10- पशुओं में होने वाले खुरपका–मुंहपका रोग एवं अन्य सामान्य रोगों के लक्षण व उनके उपचार की विधियों का अध्ययन।

नोट :--प्रयोगात्मक परीक्षा एवं प्रोजेक्ट कार्य का आन्तरिक मूल्यांकन विद्यालय स्तर पर होगा।